विचार प्रवाह

अक्षर: वह शाश्वत ध्वनि जो स्वयं ब्रह्म है

भारतीय चिंतन परंपरा में एक अत्यंत गूढ़ और सुंदर सत्य उद्घाटित किया गया है–अक्षरं ब्रह्म परमम्, अर्थात अक्षर ही परम ब्रह्म है। पहली दृष्टि में हम इसे भाषा और लिपि के सामान्य वर्णों के रूप में देख सकते हैं, किंतु इसका दार्शनिक विस्तार चेतना की उस गहराई को छूता है जहाँ शब्द और अर्थ का द्वैत समाप्त होकर केवल अस्तित्व शेष रह जाता है। अक्षर शब्द की व्युत्पत्ति स्वयं इसके अर्थ को स्पष्ट करती है– अ का अर्थ है निषेध और क्षर का अर्थ है विनाश। जिसका कभी क्षरण न हो, जो समय के अनंत कालखंडों में भी अपनी सत्ता बनाए रखे, वही अक्षर है। ठीक इसी प्रकार ब्रह्म भी अजन्मा, अविनाशी और शाश्वत है। इस अर्थ में, जिसे हम ध्वनि या लिपि के रूप में उच्चारित करते हैं, वह वास्तव में उस आदि नाद ब्रह्म का ही एक स्थूल रूप है, जिससे संपूर्ण सृष्टि का सृजन हुआ है।

आधुनिक विज्ञान भी अब इस सत्य के निकट पहुँच रहा है कि यह संपूर्ण ब्रह्मांड ऊर्जा के विशिष्ट कंपनों यानी वाइब्रेशन से निर्मित है। प्राचीन ऋषियों ने जिसे नाद की संज्ञा दी थी, विज्ञान उसे ही फ्रीक्वेंसी कहता है। जब हम किसी अक्षर का उच्चारण करते हैं, तो हम केवल

एक सांकेतिक ध्वनि उत्पन्न नहीं कर रहे होते, बल्कि हम ब्रह्मांड की एक विशिष्ट ऊर्जा तरंग को सक्रिय कर रहे होते हैं। ओम् को सभी अक्षरों का मूल और आधार माना गया है, क्योंकि इसमें संपूर्ण ध्वनि-जगत समाहित है। वह अक्षर ही है जो निराकार ब्रह्म को साकार शब्द के माध्यम से अभिव्यक्ति देता है और हमारी चेतना को उस विराट से जोड़ने का सेतु बनता है।

यदि अक्षर ब्रह्म है, तो शब्द उस ब्रह्म का जीवंत विस्तार है। हमारे विचार अक्षरों से बनते हैं, और हमारे शब्द हमारे व्यक्तित्व का स्वरूप निर्धारित करते हैं। जब हम सत्य, करुणा और कल्याणकारी भावों को शब्दों के माध्यम से व्यक्त करते हैं, तो हम वास्तव में उस ब्रह्म के ही स्वरूप का विस्तार कर रहे होते हैं। एक शब्द का सही उच्चारण किसी के जीवन में आशा का दीप जला सकता है, तो वही शब्द अपनी तीव्रता में किसी के हृदय को दिशा भी दे सकता है। इसीलिए, वाणी को ब्रह्म का ही एक अंश माना गया है। जो व्यक्ति अपनी वाणी पर संयम रखता है और शब्दों के चयन में पवित्रता का ध्यान रखता है, वह अनजाने ही उस शाश्वत ब्रह्म के समीप होता है।

इस ब्रह्म तत्व को समझने का मार्ग केवल बाह्य पठन-पाठन ही नहीं, बल्कि भीतर का मौन भी है। अक्षरों के पीछे जो शून्यता है, वही वास्तविक ब्रह्म का निवास स्थान है। जितना अधिक हम अपने भीतर के अनावश्यक शोर को कम करते हैं, उतना ही हम अक्षर के उस मूल तत्व का अनुभव कर पाते हैं जो निरंतर हमारे भीतर स्पंदित हो रहा है। अंततः, अक्षर ही ब्रह्म है का सिद्धांत हमें यह सिखाता है कि जीवन में शब्दों का महत्व बहुत गहरा है। हम जो बोलते हैं, जो लिखते हैं और जो सोचते हैं, वह व्यर्थ नहीं है। वह इस अनंत ब्रह्मांडीय चेतना का अभिन्न हिस्सा है। अतः, अपने भीतर के अक्षरों को अर्थपूर्ण बनाएं, अपनी वाणी को सत्य के प्रकाश से भरें और शब्दों के उस शाश्वत ब्रह्म का अनुभव करें जो हर क्षण आपके अस्तित्व को पोषित करना है।

श्रीमती ममता त्रिवेदी, संस्कृत हिंदी शिक्षिका , महू छावनी

एमपीपीएससी प्री-कम-मेन्स परीक्षा 2027 की निःशुल्क कोचिंग हेतु आवेदन आमंत्रित

इन्दौर। शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) प्री-कम-मेन्स परीक्षा 2027 की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग संचालित की जा रही है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से प्रशिक्षण में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

प्रशिक्षण केन्द्र की सहायक आयुक्त एवं प्राचार्य श्रीमती आशा चौहान ने बताया कि पात्र अभ्यर्थी प्रशिक्षण केन्द्र से आवेदन पत्र प्राप्त कर उसे पूर्ण रूप से भरकर आवश्यक दस्तावेजों सहित शीघ्र संस्थान में जमा करें तथा निःशुल्क कोचिंग का लाभ प्राप्त करें।

लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) प्री-कम-मेन्स परीक्षा 2027 की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग हेतु प्रवेश के लिए आवेदक का मध्यप्रदेश का अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति वर्ग का निवासी होना आवश्यक है। आवेदक के परिवार की सभी स्रोतों से वार्षिक आय 6 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। अभ्यर्थी की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच तथा स्नातक में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है। प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी रहेगा।

प्रशिक्षणार्थियों के लिए केन्द्र में प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकों से युक्त समृद्ध पुस्तकालय एवं कम्प्यूटर लैब की सुविधा उपलब्ध है। अनुभवी एवं योग्य अतिथि प्राध्यापकों द्वारा प्री, मेन्स तथा साक्षात्कार की तैयारी कराई जाती है। छात्रावास की सुविधा उपलब्ध नहीं है, जबकि नियमानुसार उपस्थिति के आधार पर छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता प्रदान की जाएगी। अधिक जानकारी एवं आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए इच्छुक अभ्यर्थी शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर से संपर्क कर सकते हैं।

कार्टून कोना

10 वर्ष पुराना सपना हुआ साकार

मुख्यमंत्री ने किया 'किसान पुत्र' का सम्मान

इंदौर। लगभग दस वर्ष पहले देखा गया एक परिवार का सपना आज साकार हो गया। बलराम कृषि महोत्सव 2026 में मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के गुरुबक्ष सिंह को 'किसान पुत्र सम्मान' से सम्मानित किया।

गुरुबक्ष सिंह वर्तमान में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1, इंदौर का कक्षा 12वीं का छात्र है। कम आयु में ही उसने खेती, पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति गहरी रुचि विकसित की है। इस सम्मान के पीछे एक दशक का त्याग, समर्पण और प्रकृति के प्रति अटूट विश्वास छिपा है। जुलाई 2016 में पूर्व रेलकर्मी चंचल कौर ने अपने पुत्र को प्रकृति से जोड़कर एक जागरूक किसान बनाने का संकल्प लेते हुए भारतीय रेल की नौकरी छोड़ दी। इसके बाद वर्ष 2022 में उनके पति राजेन्द्र सिंह ने भी ट्रेन मैनेजर के पद से स्वैच्छिक रूप से सेवा छोड़कर स्वयं को पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक खेती और सामाजिक कार्यों के लिए पूर्णकालिक रूप से समर्पित कर दिया। परिवार का विश्वास था कि खेती केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि प्रकृति, स्वास्थ्य और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार है। इसी सोच के साथ पिछले दस वर्षों से परिवार प्राकृतिक खेती, वृक्ष संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। सम्मान समारोह का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब प्रशस्ति पत्र पर गुरुबक्ष सिंह के नाम के साथ 'माता - चंचल कौर' लिखा दिखाई दिया। यह देखकर चंचल कौर की आँखों से खुशी के आँसू छलक पड़े। उनके लिए यह केवल एक प्रमाण-पत्र नहीं, बल्कि दस वर्षों के त्याग, धैर्य, विश्वास और निरंतर प्रयासों की सार्थक पहचान थी। परिवार ने इस सम्मान के लिए मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मध्यप्रदेश शासन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उनका कहना है कि यह सम्मान केवल गुरुबक्ष सिंह का नहीं, बल्कि उन सभी माता-पिता का सम्मान है जो अपने बच्चों को प्रकृति, खेती और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का साहस करते हैं। जुलाई 2016 में देखा गया सपना, 15 जुलाई 2026 को सम्मान के रूप में साकार हुआ। यह उपलब्धि बताती है कि दृढ़ संकल्प, निरंतर परिश्रम और धैर्य से देखे गए सपने एक दिन अवश्य पूरे होते हैं।

लंबित प्रक्रिया आगे बढ़ने से बढ़ा मनोबल, राजपत्रित अधिकारी संघ और कृषि अधिकारियों ने किया स्वागत

पदोन्नति पर अधिकारी-कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

इंदौर (ई)। प्रदेश के अधिकारी-कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के निर्णय पर बुधवार को इंदौर में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया और उनका स्वागत किया।

राज्य स्तरीय बलराम कृषि महोत्सव के अवसर पर राजपत्रित अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह तथा सहायक संचालक कृषि अधिकारी संघ के संभागीय अध्यक्ष संदीप यादव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

अधिकारियों ने कहा कि लंबे समय से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्णय अधिकारी-कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण कदम है। इससे कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा और वे अधिक उत्साह एवं दक्षता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि पदोन्नति मिलने से प्रशासनिक व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी तथा विभागीय कार्यों के बेहतर संचालन में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के इस निर्णय के लिए अधिकारी-कर्मचारियों ने उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उप संचालक कृषि सी.एल. केवड़ा, श्रीमती शर्ली थॉमस सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

शासकीय शिक्षक संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी दिनेश परमार का जन्मदिन मनाया

इंदौर – शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं पुरानी पेंशन बहाली संघ के जिलाध्यक्ष श्री दिनेश परमार का जन्मदिन शिक्षकों ने हर्ष उल्लास के साथ मनाया। एकीकृत शासकीय हाईस्कूल लसुड़िया मोरी में पदस्थ श्री परमार का जन्मदिन प्राचार्य श्री भूषण सराफ की अगुवाई में मनाया गया। उन्हें सभी स्टॉफ शिक्षकों ने उनके स्वस्थ व दीर्घायु होने की मंगल कामना करते हुए बधाई दी। इस अवसर पर जनशिक्षक श्री जीतेन्द्र परमार,शिक्षक श्रीमती ज्योति रोड़े, श्रीमती गीता भदौरिया, राकेश गेहलोद, सुशील बिलवाल, अखिलेश पंवार, प्रीति बुखारिया जैन, सुरक्षा मिश्रा, शिल्पा जोशी, मनीषा व्यास, मनीषा जैन, कविता टाटावत, भारती सिंह, स्मिता तपासे, मीता शर्मा, सीमा जैन, पूनम शर्मा आदि उपस्थित थे।

प्राइम अकैडमी में बच्चों ने किया पौधारोपण

इंदौर। पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के लिए तथा पेड़ पौधों के महत्व को बताने के लिए द प्राइम अकैडमी स्कूल द्वारा पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया इस अवसर पर नन्हे बच्चों द्वारा पौधारोपण कर इसके महत्व को समझा और अपने हाथों से पौधारोपण किया।

द प्राइम अकैडमी स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती प्रतिभा महा द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को प्रकृति के समीप लाना और पर्यावरण के महत्व को बताना था।

मालवा निमाड़ में सौर ऊर्जा उत्पादगन अब 77500 स्थानों पर

इंदौर। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र में सौर ऊर्जा को लेकर बेहतर प्रतिसाद मिला हैं, अब तक पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में 60 हजार से ज्यादा एवं अन्य प्रकार से लगे सोलर को मिलाकर कुल 77 हजार पांच सौ स्थानों पर सौर ऊर्जा उत्पादन हो रहा हैं। कंपनी क्षेत्र में सभी योजनाओं को मिलाकर कुल रूफ टॉप सोलर नेट मीटर क्षमता अब 480 मैगावाट हो चुकी हैं। इंदौर शहर में करीब तीस हजार से ज्यादा स्थानों पर सौर ऊर्जा उत्पादन हो रहा हैं। वहीं इंदौर ग्रामीण क्षेत्र, उज्जैन, रतलाम जिलों में छःहजार से ज्यादा स्थानों पर सौर ऊर्जा उत्पादन हो रहा हैं। यह उपलब्धि मालवा निमाड़ के बिजली उपभोक्ताओं में पर्यावरण हितैषी कदम, बिल में बचत और कार्बन उत्सर्जन में कमी के प्रति सकारात्मक सोच के कारण प्राप्त की जा सकी। बिजली कंपनी के इतिहास में जून माह में करीब छः हजार सोलर की स्थापना भी रिकार्ड रूप में सामने आया हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि कंपनी के अधिकारी तत्काल मंजूरी दे रहे हैं, मौका मुआयना भी समय पर किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने इंदौर में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के साथ किया आत्मीद व प्रेरक संवाद

इन्दौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी युवा, नारी, किसान और गरीब वर्ग को आगे बढ़ाने के लिए सतत प्रयासरत है। इन वर्गों के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित की जा रही है और उससे समाज सशक्त भी हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वृद्ध व लावारिस गौवंश के पालन का फार्मूला बताया

उन्होंने कहा कि राज्य शासन पशुपालन, डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में पशुधन बढ़े और दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हो, यह जरूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज इंदौर में लक्ष्मीबाई नगर कृषि उपज मण्डी में बलराम कृषि महोत्सव में आयोजित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के सम्मेलन में अपना मुख्य संबोधन दे रहे थे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषिगत कार्यों से जुड़े विषयों पर प्रेरक विषयवस्तु बनाने वाले युवा इन्फ्लुएंसर्स से आत्मीय व प्रेरक संवाद किया। उन्होंने युवा इन्फ्लुएंसर्स के प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि फसल चक्र में बदलाव करते रहे ताकि मिट्टी उर्वरा बनी रहे। वहीं अल्पवर्षा की स्थिति में किसानों को नुकसान नहीं हो। इसके लिये किसान कम अवधि की फसलों की बुवाई करें। उन्होंने प्रदेश भर से आये सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को आव्हान किया कि वे राज्य शासन द्वारा चलायी जा रही योजनाओं पर केन्द्रीत रील्स बनायें, ता?कि किसानों को योजनाओं का लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में पशुपालन को बढ़ावा देने तथा सड़कों पर वृद्ध व लावारिस गौवंश से उन्नत नस्ल के बछड़े तैयार करने की योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे प्रदेश में इन दोनों समस्या से मुक्ति मिलेगी। हिरण्य गर्भा योजना के तहत प्रदेश में उन्नत नस्ल से दुग्ध उत्पादन में भी वृद्धि होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रदेश में रासायनिक उर्वरकों की कोई कमी नहीं हैं। किसानों को उसकी फसल के आधार पर पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश में उर्वरक वितरण के लिये नया डिजीटल फार्मूला तैयार किया गया है। जिससे उर्वरकों की कालाबाजारी पर नियंत्रण किया जा रहा है। इसके अलावा किसानों को उनकी भूमि की उपलब्धता के आधार पर आवश्यकता अनुसार पर्याप्त उर्वरक प्रदान किया जा रहा है। डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में नशे की पाबंदी को लेकर कहा कि नशा नाश की जड़ है। नशे से कई परिवार तबाह हुए है। प्रदेश में कहीं भी नशे का अवैध कारोबार नहीं होने दिया जायेगा। ऐसे लोगों के खिलाफ राज्य शासन द्वारा कड़ी कानूनी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि राज्य शासन ने धार्मिक नगरों में शराब बंदी की है, इसके अच्छे परिणाम आये हैं। उज्जैन, ओंकारेश्वर, ओरछा सहित 19 शहरों में शराब बंदी की गई है।

सूरज रजक पर एफआईआर दर्ज

इंदौर। सूरज रजक के द्वारा स्वयं को शराब माफिया और तस्कर बता कर, वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र के गुप्ता को खबर नहीं लिखने के लिए धमकी दी। ज्ञात हो कि गुप्ता ने न्यूज प्वाइंट पोस्ट किया था कि एक शराब लायसेंसी सरकार को करोड़ो रूपयों के राजस्व का चूना लगा कर भागने वाला है, इस न्यूज प्वाइंट में भागने वाले लायसेंसी का नाम नहीं लिखा था किंतु सूरज रजक ने गुप्ता को फोन करके खबर लिखने पर धमकी देते हुए स्वयं स्वीकार किया है कि लायसेंसी के भागने की खबर उसी की है...

एफआईआर दर्ज –दिनांक 14/07/2026 को दोपहर में 02 बजे के लगभग वरिष्ठ पत्रकार और आरटीआई एक्टिविस्ट गुप्ता ने पत्रकारों के ग्रुप में न्यूज प्वाइंट पोस्ट किया और किसी अन्य व्यक्ति ने आदतन अपराधिक मानसिकता के उद्गिरते सूरज रजक को वह न्यूज प्वाइंट भेजा। उसके बाद सूरज ने 02.30 बजे के लगभग वरिष्ठ पत्रकार गुप्ता को फोन करके धमकियां दी और बार–बार सोर्स और नाम बताने के लिए धमकाया। गुप्ता के आवेदन पर पुलिस ने प्राथमिक जांच करके दिनांक 15/07/2026 को सूरज रजक के खिलाफ नामजद एफआईआर क्रमांक 0122/2026 बीएनएस की धारा 296 ए और 351(2) में अपराध दर्ज कर लिया है।

साक्ष्य दिए – पुलिस ने सूरज रजक के द्वारा गुप्ता को भेजे गए मेसेज और झूठे केस में फंसाने की साजिश के मेसेज लिए है।

स्वीकारा फोन लगाया था – थाने के पुलिस कर्मचारी सुल्तान सिंह राणा ने रजक को फोन लगा कर पूछताछ की तो रजक ने यह स्वीकार किया कि उसने वरिष्ठ पत्रकार गुप्ता को फोन लगाया था।

रजक ने स्वीकारा वो दो नंबर का काम करता है – दिनांक 14/07/26 को राजेन्द्र के गुप्ता वरिष्ठ पत्रकार ने एक शराब लायसेंसी के भागने और दो नंबर का काम करने के संबंध में पत्रकारों के ग्रुप में न्यूज प्वाइंट पोस्ट किया था जिसे सूरज रजक ने अपने बारे में बताते हुए धमकी दी अर्थात रजक ने यह स्वयं स्वीकार किया कि वह भागने वाला और दो नंबर का काम करने वाला व्यक्ति है।

गुप्ता ने आईडीए में आपत्ति लगा दी थी – देवास नाका मुख्य ए बी रोड़ पर स्थित आईडीए के जिस प्लाट पर रजक अवैध अतिक्रमण कर रहा था उस प्लाट को रजक को किराए पर देने पर गुप्ता ने आपत्ति लगा दी थी। रजक पर आरोप है कि वो महिला के प्लाट पर अवैध कब्जा करने के लिए आईडीए के प्लाट का दुरुपयोग कर रहा था। आईडीए के अध्यक्ष और सीईओ से गुप्ता ने मांग की है कि आईडीए रजक पर अपराध दर्ज करवाए और रजक को कभी भी प्लाट किराए पर नहीं दे जनयथा रजक आपराधिक साजिश रच करके आईडीए के प्लाट का दुरुपयोग करेगा।

विद्यार्थियों ने देखा लाइव किडनी प्रत्यारोपण-पूछे रोचक प्रश्न

इन्दौर। चोइथराम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के 47वें स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत सोमवार, 13 जुलाई 2026 को कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए किडनी प्रत्यारोपण सर्जरी का लाइव प्रदर्शन आयोजित किया गया।

इस विशेष शैक्षणिक कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक चिकित्सा तकनीकों एवं अंग प्रत्यारोपण जैसी जटिल शल्य प्रक्रियाओं से परिचित कराना तथा चिकित्सा विज्ञान के प्रति उनकी रुचि बढ़ाना था।

अस्पताल के ऑडिटोरियम में आयोजित इंटरैक्टिव सत्र में नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. जय कृपलानी, डॉ. नेहा अग्रवाल एवं डॉ. आलोक गुप्ता उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को किडनी प्रत्यारोपण की प्रक्रिया, अंगदान के महत्व तथा प्रत्यारोपण के बाद मरीजों की देखभाल से संबंधित जानकारी दी और विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर दिए।

वहीं ऑपरेशन थिएटर में यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुशील भाटिया, डॉ. सिद्धार्थ सराफ एवं डॉ. सिद्धार्थ सिंह चौहान ने सफलतापूर्वक किडनी प्रत्यारोपण सर्जरी का लाइव प्रदर्शन किया, जिसे विद्यार्थियों ने ऑडिटोरियम में लाइव देखा।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से कई रोचक एवं ज्ञानवर्धक प्रश्न पूछे।

प्रथम पुरस्कार विद्या सागर स्कूल की सुश्री आकांक्षा कीर्ति को उनके प्रश्न क्या प्रत्यारोपण सर्जरी में ऐसा कोई चरण होता है, जिसमें कुछ सेकंड या मिनट की देरी भी सर्जरी की सफलता को प्रभावित कर सकती है।

द्वितीय पुरस्कार क्रिश्चियन एमिनेंट स्कूल के सुजॉय चक्रवर्ती को उनके प्रश्न सर्जरी के बाद प्रत्यारोपित किडनी के सही ढंग से कार्य करने के शुरुआती संकेत क्या होते हैं? क्या एक किडनी दान करने वाला व्यक्ति सामान्य और स्वस्थ जीवन जी सकता है तथा उसे किन-किन फॉलो-अप की आवश्यकता होती है?

रनर-अप पुरस्कार क्वींस कॉलेज की प्रियांशी चौरसिया को उनके प्रश्न दृ किडनी रोगों के ऐसे कौन-से शुरुआती चेतावनी संकेत हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और जिनके दिखाई देने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए?

श्री सीता सर्वेश्वर राम दरबार का हुआ विशेष श्रृंगार

इंदौर। रघुनाथ पुरम स्थित श्री सीता सर्वेश्वर राम मंदिर में आषाढ़ अमावस्या के अवसर पर भगवान का विशेष श्रृंगार किया। हजारों भक्तों को महाप्रसादी का वितरण किया। अग्र मलूकपीठाधीश्वर स्वामी श्री राजेंद्रदास देवाचार्य महाराज के पावन सानिध्य में आयोजन हुए।

महंत जानकी बल्लभ दास महाराज, अशोक बिदासरिया ने बताया कि अमावस्या के अवसर पर शाम को भगवान श्री सीता सर्वेश्वर राम दरबार की महाआरती हुई। श्री राम मंदिर धार्मिक एवम पारमार्थिक ट्रस्ट द्वारा हजारों भक्तों को महाप्रसादी का वितरण किया, भक्तों ने कतार में लगकर प्रसादी ली। मंदिर में हर अमावस्या पर महाप्रसादी का वितरण किया जाता है। महामंडलेश्वर रामगोपाल दास महाराज मौजूद रहे।